



## न्यूज ब्रीफ

## महर्षि वाल्मीकि जयंती पर हुई पूजा- अर्चना, निकालीं भव्य शोभायात्रा एं

कार्यालय संचाददाता, पीलीभीत



**महर्षि वाल्मीकि प्रेरणास्त्रोत**  
पीलीभीत, अमृत विचार : सपा कार्यालय में महर्षि वाल्मीकि जयंती मार्ग गई। जिलाध्यक्ष जादेव सिंह जग्ना ने महर्षि वाल्मीकि को सारकृतिक मर्मांदंशन और धार्मिक प्रेरणा के सेते बताया। जिला महाराष्ट्र नवीनीस अहमद असारी ने विचार रखे। कार्यक्रम में जिला उत्तराखण्ड नरेंद्र भाषण कुड़र, लक्करम साग, कारीराम सरोज, धार्मित वर्मा, इनियाध अल्पी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर निकाली गई शोभायात्रा में सजी झांकी। ● अमृत विचार



**न्यू श्री नारायण हॉस्पिटल**

**डा. प्रदीप कुमार**  
एम.बी.बी.एस., एम.एस.  
Retd. ACMO  
जनरल सर्जन

**डा. राम निवास**  
एम.बी.बी.एस., एम.डी.  
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)  
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

**डा. राजा गुप्ता**  
जनरल फिजिशियन

**उपलब्ध सुविधायें :**

- सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज
- दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा गुरु (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा।
- छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण
- घुटना व कूदना बदलने की सुविधा उपलब्ध
- नॉर्मल फिल्मीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन
- बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
- वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU



**डॉ. पियुष कुमार** मैनेजिंग डायरेक्टर

**टाकर हरीश रावत** चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूर्घटन व चीर वाले आपरेशन की सुविधा  
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

**लाल फाटक शातिकुंज स्कूल के पास,**  
**निकट ओवर ब्रिज, बलायू रोड, बरेली**  
**हेल्पलाइन नं. : 8057953868**

# बारिश ने कराया ठंड का अहसास, कि सानों की बढ़ी चिंता

जिले के कई इलाकों में खेतों में गिरी धान की फसल, मंडियों में भी भीगे धान के ढेर, गन्जे की फसल को भी नुकसान

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

**अमृत विचार:** सोमवार शाम से मौसम में बदलाव के बाद जिले में बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिला। जनपद के कुछ इलाकों में सोमवार शाम से लेकर मंगलवार सुबह तक रुक-रुक बारिश होती रही। वहीं बारिश किसानों की धान की फसल मंडी में भीगने और खेतों में बिछने का कारण बनी। बर्बाद होती फसल देखकर किसानों के चेहरों पर परेशानी साक नजर आ रही है।

जिले में कुछ दिन से मौसम में बदलाव नजर आ रहा है। सुबह-शाम तापमान में गिरावट होने के साथ दिन में लोगों को तीव्री धूप का समान करना पड़ रहा है। इन सोमवार का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं मंगलवार को पारा 5 डिग्री चलने के बाद बारिश शुरू हो गई। जलांकि इनके बाद बारिश के साथ बारिश के सिलसिला चलता रहा। जलांकि इनके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश का सिलसिला चलता रहा। जलांकि इनके बाद तेज हवाओं के साथ बारिश के चलते कुछ निचले इलाकों में मामूली जलभराव की समस्या देखी गई थी, जलांकि कुछ देर बाद पानी उत्तर गया। सुबह स्वर्वे सड़कों पर सन्नाटा नजर आया। भर चलता रहा। जो कि मंगलवार हालांकि दोपहर को धूप निकल



बिलगवां में तेज हवा व बारिश से गिरी धान की फसल।

तेज बारिश से गिरी गन्जे की फसल।

● अमृत विचार

• तेज हवा के साथ बारिश होने से धान की फसल का भारी नुकसान हुआ

बारिश के चलते कुछ स्थानों पर धान की फसल का भारी नुकसान हुआ है। फिलहाल अब बारिश होने के आसार नहीं है। इधर बारिश के बाद धान की फसल छोड़ रखा था, उहाँ पर धान नुकसान हुआ है। इससे किसानों को अब धान को दोबारा सुखाकर मंडी में लाना पड़ेगा। खेतों में खड़ी धान की फसल भी बुरी तरह भीग चुकी है। किसानों का कहना है कि बारिश के काटाई भी प्रभावित हुई है। अब पहले फसल सुखने का इतना काम किया जाएगा। इससे बाद भी कटाई शुरू की जाएगी। वहीं पिछले कुछ दिनों से जिले की मंडियों में धान की आवक तेजी से हो रही थी। सोमवार शाम अध्यानक हुई बारिश से मंडियों में खुले असामान की नीचे पड़ा किसानों की धान भीग गया। जलांकि किसानों ने धान के ढेरों को परेशानी उठानी पड़ी।

बारिश

होने से

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

धान की

फसल

में भीग

चौंकाना

हो रहा

है।

जिले में

खेतों

में बिछी

## न्यूज ब्रीफ

जहर खाने से युवती की मौत

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : सीतापुर जिले शासी इमालिया सुलतानपुर क्षेत्र के गांव खुरेड़ा निवासी जयदयल की 18 वर्षीय बेटी मंजु ने अज्ञात कारणों के बलते सोमवार की दोपहर जहर खा लिया। घटना की जानकारी होने पर परिजन युटी को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शब पोस्टार्टम के लिए भेजी है। ग्रृहका के पीसा निर्मल ने बताया कि मंजु के माता-पिता घर पर नहीं थे। बेटी ने अज्ञात कारणों के बलते जहर खाया है।

## पैशनर्स कल्याण

## संस्था की बैठक आज

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश पैशनर्स कल्याण संस्था के बाबता कि जगद शाया की बैठक आज खुलावर को आयोजित की जाएगी। बैठक डॉ. ओ.पी. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला कांगड़ा के पैशनर्स बचन में सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

## ब्राउन शुगर के साथ

## युवक गिरफतार

पलियाकला, अमृत विचार : एसओ पलिया पंजक त्रिपाठी ने बताया कि पूलिस ने जांच भरा यथा पलिया निवासी तेजीब अहमद को गिरफतार किया है। उसके पास से 20 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई है, जिसकी अमुकातिन कीमत करीब 50,000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी का वालान भेजा है।

## सात दिवसीय श्रीराम कथा 10 से

केशगांव, अमृत विचार : प्रसिद्ध तीर्थ गंग भोजन नाथ के निकटवर्ती गांव कोरेया मुकुर त्रिपाठा हलवान बाबा देवस्थान पर 10 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक सात दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा होगी। प्रथम प्रातीनांष संजय कुमार ने बताया कि श्रीराम कथा अंधियों के कथा व्यास प्रम मूर्ति रामनुजान्तर्मय हमारी प्रतिविनाश 12 बजे से दोपहर 4 बजे तक और रात 8 बजे से 11 बजे तक सुनायें। शुक्रवार 17 अक्टूबर को कथा का समाप्तन कर्या भोज एवं भजारा के साथ होगा।

## एसएसबी महानिरीक्षक ने गौरीफंटा बॉर्डर चौकी का किया निरीक्षण

संवाददाता, पलियाकला

अमृत विचार : एसएसबी के महानिरीक्षक अमित कुमार ने मंगलवार को 39वीं वाहनी पलिया की गौरीफंटा सीमा चौकी का निरीक्षण किया।

तीन दिवसीय भ्रमण के दौरान उन्होंने सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, चौकी संचालन प्रणाली और जवानों की तपतरता व मनोबल का जायजा लिया। निरीक्षण के उपरांत महानिरीक्षक ने उपस्थित अधिकारियों को साथ क्षेत्र की सशक्त एवं समन्वित बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने जवानों की मुस्तैदी और अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि सशक्ति को अनुशासन की सराहना करने के बाद मंगलवार और दोपहर के दौरान अमित कुमार की गौरीफंटा में बैठक भी की।

बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में समन्वय के अन्य अधिकारी और संयुक्त कार्यवाहियों की सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। गौरीफंटा सीमा चौकी पर रहने के संकलित होने से संकरण फैलने की बात की गई।

सोमवार को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

अमित की जामा मस्जिद मदरसा में लगे स्वास्थ्य शिविर पहुंचे जहां डॉ अमृत मियां के साथ गंग वहां आये।

सोमवार को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण के बाद मंगलवार के दौरी सीमाएँ आज अमित सिंह गंग वहां आये।

ग्रामपाल को एसडीएम मोहम्मदी चलवराजू और के निरीक्षण क

न्यूज ब्रीफ

सालाना महा समागम

आज से

बिजुआ, अमृत विचार: पड़रिया तुला करवा रिहर टाट नानकसर गुरुद्वारा साहिं हैं बध धन बाबा इश्वर संहिं महाराज की भवरी पर 8, 9 व 10 अक्टूबर तक तीन दिवसीय सालाना महा समागम होगा, जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। टाट नानकसर गुरुद्वारा साहिं के सेवक बाबा इश्वर संहिं ने बताया कि महापूरुष बाबा इश्वर की मीठी याद में समागम मनाया जा रहा है। बुधवार को खुले पड़ाल में दीवान सजाया जाएगा। सालाना महा समागम में डेरा प्रमुख सत बाबा सुखदेव सिंह भट्टिं पापा बाबर के अलावा बरेली लखीमपुर, उत्तराखण्ड से पहुंच रहे सत बाबा व रामी, ठाठी, कविशरी जथे संगत की अपनी वाणी से निहाल करेंगे। इस दौरान गुरु का अटूट लंगर बलता रहेगा।

## अहमदनगर के साईधाम पर हुआ भंडारा

गोला गोकर्णाथ, अमृत विचार: पीढ़ीभीत बर्ती हाईवे पर अहमदनगर गांव के पास स्थित साईधाम पर समाजसेवी, व्यापारी और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अशोक कौरजिया ने भंडारा किया है। भंडारा दिन भर बलता रहा। भंडारे में भक्त, संत एवं तमाम जरूरतमंदों ने प्रसाद राहण किया है। व्याधिकां अमन पिरि, नगर पालिका की पूर्ण अध्यक्ष मीनांकी अग्रवाल, डॉ. सुमित्रा पटेल, डॉ. रामशरण, विनोद वर्मा, ज्ञानवदेश वर्मा, सतीश वर्मा, आनंद वर्मा, पटेल सुशील वर्मा समेत सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

## धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकि जयंती, मंदिरों में हुए अखंड पाठ

सीडीओ ने फॉरेस्ट कॉलोनी मंदिर ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर किया माल्यार्पण

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी



श्रीराम दरबार की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करते सीडीओ अधिकारी कुमार।

अमृत विचार: मंगलवार को महर्षि वाल्मीकि जयंती हृषीलालास एवं धूमधाम से मनाई गई। मंदिरों में दीप प्रज्वलन, दीपदान के साथ वाल्मीकि रामायण का अखंड पाठ शुरू किया गया। शासन के निर्देश पर जिले की सभी तहसील, विकासखंड एवं नगरीय निकाय स्तर पर विभिन्न मंदिरों में संस्कृति विभाग में पंजीकृत सांस्कृतिक भजन मंडलियों ने रामायण का अखंड पाठ शुरू किया।

फॉरेस्ट कॉलोनी मंदिर में पूजा-प्रतिष्ठा का आयोजन हुआ, जिसमें सीडीओ अधिकारी कुमार ने महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण किया और अखंड रामायण पाठ शुरू कराया। साथ ही महर्षि वाल्मीकि के बारे में बताते हुए श्रद्धालुओं को उनके पद वर्द्धने पर लिए प्रेरित किया गया। साथ ही जनान के विभिन्न वाल्मीकी मंदिरों में प्रतिमा का माल्यार्पण, भजन-कीर्तन व प्रसाद वितरण किया।

इस मैंके पर डीडीओ गोजेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ डॉ. दिनेश सचान, पर्वटन सूचना अधिकारी संजय भंडारी आदि मौजूद रहे। पूरे जिले में दिनभर वितरण किया।

इस मैंके पर डीडीओ गोजेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ डॉ. दिनेश सचान, पर्वटन सूचना अधिकारी संजय भंडारी आदि मौजूद रहे। पूरे जिले में दिनभर वितरण किया।

धौहरा और मंगल देवी गोला संख्या में प्रमुख मंदिरों में रामायण

वर्षा

में गोकर्णनाथ सहित जिले भर में बड़ी पाठ शुरू हुआ।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।

।





**धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले को भेजा जेल**  
घुण्हिहाई अमृत विचार : सोशल मीडिया पर भगवान् श्रीराम और डॉ. भीमराव अंडेकर का एडिट किया गया था। वीडियो वायरल होने के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। जिससे लोगों की भावनाएं आहट हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफतार करके कोटि में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया। वायरल वीडियो पर अपत्ति जताते हुए अंडेकर के साथकोंने थाने में पूछकर लिखित तरीकर दी। जिसमें बताया वायरल वीडियो से समाज विशेष की भावनाओं को ठेस पहुंचाई जा रही है। थाना प्रार्थी निरीक्षक प्रकाश सिंह ने बताया जांच में पौरा वायरल वीडियो ग्राम सिरमारा निवासी निर्भय वर्मा की सोशल मीडिया आईटी से पोर्ट किया गया था। धार्मिक भावनाएं भड़काने की आशंका और शांति भग के अंदेकर को देखते हुए निर्भय वर्मा का चालान किया गया है।

## कार्यालय अधिशासी अभियन्ता शारदा सागर खण्ड, पीलीभीत

ई-निविदा सूचना सं-04 / अधिओपियो / 2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय, उत्तर प्रदेश की ओर से वर्ष 2025-26 में रक्षा 1433 फसली के अन्तर्गत निन नहरों की सिल्ट सफाई व क्षेत्र के बम कठिन / सिल्ट सफाई हेतु ई-टेक्सिङ के माध्यम से निविदायें वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत होने के दिनांक 14.10.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदायें ई-टेक्सिङ के माध्यम से भरी जायेंगी एवं ई-टेक्सिङ से प्राप्त निविदाएं अंडोहस्ताकारी कार्यालय में सुख अभियन्ता महोदय(शारदा), सिवार्या एवं जल संसाधन विभाग, उत्तर प्रदेश, बरेली द्वारा गठित समिति के सम्बद्ध दिनांक 14.10.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से अंडोहस्ताकारी जायेंगी। आमंत्रित निविदायें दिनांक 09.10.2025 को पूर्वान्ह 09:00 बजे से दिनांक 14.10.2025 को पूर्वान्ह 10:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है।

बुधवार, 8 अप्रूव 2025



निराशा संभव को असंभव बना देती है।  
-मुशी प्रेमचंद, साहित्यकार

## प्रतिरक्षा की नई परिभाषा

इस वर्ष का फिजियोलॉजी या चिकित्सास्त्र अथवा मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार उन खोजों के लिए दिया गया है, जो मानव प्रतिरक्षा प्रणाली को गहराई से समझन और उसे नियंत्रित करने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण है। अमेरिका की मेरी ब्रैंको, फ्रेड रेस्मेन तथा जापान के शिमोन साकागुची ने अपने शोध और जैविक प्रयोगों के माध्यम से स्वप्रतिरक्षी या आंटोइम्यून प्रणाली से जुड़ी वैज्ञानिक समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है। कल मिलाकर, नोबेल पुरस्कार विजेताओं के शोध ने प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित क्रियाकालों और कार्य प्रणालियों की तरह में जाकर उनके जिन प्रकारों के आनुवंशिक, आणविक और पर्यावरणीय निर्वाचनों का पक्षा लगाया है, उसने पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को नए सिरे से पुनर्विभागित किया है। उनकी खोज से कई गोंधों के शीघ्र निदान और लक्षित उपचारों का नया मार्ग प्रशस्त दुआ है। निःसंदेह यह क्रांतिकारी खोज न केवल चिकित्सा विज्ञान में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है, बल्कि इसने पेरेफरल इम्यून टॉलरेंस से संबंधित प्रतिरक्षा सहिष्णुता के नए क्षेत्र में आगे के शोध के लिए भी एक ठोक नींव रखी है।

हमारा इम्यून सिस्टम प्रतिरक्षा रोग उत्पन्न करने वाले लाखों बाहरी सूक्ष्मजीवों और अन्य हमलावर तत्वों से हमारी रक्षा करता है, लेकिन कभी-कभी यही प्रणाली भूमित होकर शरीर के अपने अंगों को ही शुरु समझने लगती है, जिससे टायप-1 डायाबीटीज, रूमेट्रोबैट आर्थराकालिस जैसे अनेक आंटोइम्यून रोग उत्पन्न होते हैं। कई बार जब शरीर में कोई अंग प्रत्यारोपित किया जाता है, तो इम्यून सिस्टम उसे 'भी अनजाना' की 'बाहरी' समझकर कर देता है। इस दूसरे में पेरेफरल इम्यून टॉलरेंस की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह प्रणाली शरीर की अपनी कोशिकाओं और प्रोटीनों को पहचानती है और यदि कोई टी-सेल उन पर हमला करने की कोशिश करे, तो उसे नियन्त्रित या समाप्त कर देती है। ब्रैंको, रेस्मेन और साकागुची ने इस प्रणाली के 'सुरक्षा प्रहरी'- रेस्मेनी टी-सेल्स की पहचान की है। इन टी-सेल्स का कार्य यह सुनियन्त्रित करना है कि इम्यून सिस्टम गलती से अपने ही शरीर पर हमला न करे। यह खोज प्रतिरक्षा सहिष्णुता की अवधारणा को एक नई वैज्ञानिक परिभाषा देती है और चिकित्सा विज्ञान को एक नई दिशा प्रदान करती है। इन शोधों का महत्व केवल सेंडोरिक नहीं, बल्कि व्यावहारिक भी है इससे कैसर, अंटोइम्यून रोगों और अंग प्रत्यारोपण से जुड़ी चिकित्सा विधियों में सुधार होगा तथा भविष्य में लाखों मरीजों के लिए यह खोज रोग से राहत कारण बनेगी।

यह अवसर भारतीय मूल के वैज्ञानिकों की उपलब्धियों को भी याद करने का है। 1968 में हरायावंद खुराना को मेडिसिन का नोबेल पुरस्कार मिला था। उन्होंने जेनेटिक कोड की संरचना से प्रोटीन नियांण को समझने में अत्यंत भूमिका निभाई थी और उनकी खोजों ने कैसर, औषध-विकास तथा जैनेटिक इंजीनियरिंग के क्षेत्र में क्रांति लाई थी। आज जब चिकित्सा विज्ञान एक नई क्रांति की ओर बढ़ रहा है, यह उम्मीद स्वाभाविक है कि भविष्य में कोई भारतीय वैज्ञानिक भी इस वैशिक मंच पर पुनः अपनी प्रतिभा का परचम लहराए।

### प्रसंगवत्ता

## पुण्य तिथि: विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी मुंशी प्रेमचंद

प्रेमचंद हिंद कहानी के आधार स्तंभ हैं। वे विश्व के बेजोड़ कथा शिल्पी माने जाते हैं। हिंदी साहित्य की कहानी यात्रा प्रेमचंद के बिना अधीरी है। उन्होंने कई विश्व प्रसिद्ध उपन्यास भी लिखे, मगर उनकी ख्याति एक कहानीकार के रूप में ज्यादा है। प्रेमचंद की कहानियों में समाज का प्रतिविवर स्पष्ट रूप से इलाकता है। उन्होंने आम आदमी को केंद्र में रखकर अपनी कहानियां लिखीं और आम आदमी के मर्म को छूने का प्रयास किया, जिसके कारण उनकी कहानियां लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हुईं। सामाजिक तान-बने पर लिखी गईं, उनकी कहानियां बुनावट, कसाव, यत्यार एवं कथ्य की दृष्टि से बेजोड़ हैं। उन्होंने अपनी कहानियों को भाषा की दुरुहता एवं व्याकार की गहराई से जुड़ा बाहरी था। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपना जीवन प्रांगंभ किया। बाद में पदोन्नति पाकर वे विद्यालयों के उपनिवेशक बन गए।

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी जिले के लमही नामक गांव में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता पोस्ट मास्टर थे। प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपत राय था। उन्होंने गरीबी अपावृत्ति को देखकर अपनी कहानियां लिखीं और आम आदमी के मर्म को छूने का प्रयास किया, जिसके कारण उनकी कहानियां लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हुईं। सामाजिक तान-बने पर लिखी गईं, उनकी कहानियां खुबान-बान, कसाव, यत्यार एवं कथ्य की दृष्टि से बेजोड़ हैं। उन्होंने अपनी कहानियों को भाषा की दुरुहता एवं व्याकार की गहराई से जुड़ा बाहरी था। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपना जीवन प्रांगंभ किया। बाद में पदोन्नति पाकर वे विद्यालयों के उपनिवेशक बन गए।

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 को वाराणसी जिले के लमही नामक गांव में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। उनके पिता पोस्ट मास्टर थे। प्रेमचंद का वास्तविक नाम धनपत राय था। उन्होंने गरीबी अपावृत्ति को देखकर अपनी कहानियां लिखीं और आम आदमी के मर्म को छूने का प्रयास किया, जिसके कारण उनकी कहानियां लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हुईं। सामाजिक तान-बने पर लिखी गईं, उनकी कहानियां खुबान-बान, कसाव, यत्यार एवं कथ्य की दृष्टि से बेजोड़ हैं। उन्होंने अपनी कहानियों को भाषा की दुरुहता एवं व्याकार की गहराई से जुड़ा बाहरी था। अपनी शिक्षा पूर्ण करने के उपरांत उन्होंने एक शिक्षक के रूप में अपना जीवन प्रांगंभ किया। बाद में पदोन्नति पाकर वे विद्यालयों के उपनिवेशक बन गए।

1880 से 1936 तक का प्रेमचंद का जीवन काल देश की पराधीनता का काल था। उस समय अंग्रेजों का भासान था। अंग्रेज शासकों के क्रूर अत्याचारों से देश की वैधव से प्यार था। अंग्रेज देश को लूट रहे थे। उन्होंने देश के वैधव से प्यार था और देश की जनता से नफरत। गंगों में अंग्रेजों के वकादार माने जाने वाले राजाओं, जैनीदारों, नवाबों एवं साहूकारों का बोलबाला था। उनकी मननामी और अत्याचारों को झलने को गंगों की भौली-भाली जनता मजबूर थी। गंगा की अधिकांश जनता अनाद और गरीब थी। उनमें तरह-तरह के अंधविश्वास एवं कर्मकांड व्याप्त था। इस सबको देखकर प्रेमचंद का मन उद्भवित हो उठा और इस अन्याय, अत्याचार और दमन का प्रतिकार करने के लिए उन्होंने अपनी कहानियों को भाषा की होड़ता से बोलता रहा।

प्रेमचंद की अधिकांश कहानियों में ग्रामीण परिवेश की ज़िलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने आम आदमी के दर्द, बेरसी, भय एवं धर्म भीसता को अपनी लेखनी द्वारा बड़ी बेबकी से बयान किया है। उनकी कहानी 'कफन', 'पूस की रात', 'पंच परेश्वर', 'बूढ़ी काकी', 'बड़े भाई साहब', 'नमक का दरोगा', 'दो बैलों की कथा', 'गुली-डंडा', 'इंदगां', 'आंसुओं की होड़ी', 'सवासेर गेहूं' आदि में तत्कालीन ग्रामीण परिवेश का प्रतिविवर ज़िलक को दर्शाता है। यह कहानियां उस समय के ग्रामीणों की दुरुहता को बयान करती हैं। उनकी कहानी 'अलायोडा', 'नागपुरा', 'पंडित मोरेश्वर' की डाकार, 'ठाकुर का खुन', 'गुहदाह', 'मूर्त', 'बाबा की पोरी', 'बाबा जी' की बाबा नाम समाज में फैले कर्मकांड, धर्म भीसता, अंधविश्वास एवं जगतिगत भेद पर वैधव करते हैं।

उनकी कहानी 'जिहाद', 'मंदिर-परिस्कार', 'अनंत रतन', 'शतराज के खिलाफी' में उनके मन में बरसी, भय एवं धर्म भीसता को अपनी लेखनी द्वारा प्रदर्शित किया है। उनके उपनिवेशक प्रेमचंद की दृष्टि में देशप्रभाव और स्वराज की अवधारणा से इलाकता है। उनके उपनिवेशक प्रेमचंद की दृष्टि में देशप्रभाव और स्वराज की अवधारणा से इलाकता है।

प्रेमचंद की अधिकांश कहानियों में ग्रामीण परिवेश की ज़िलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने आम आदमी के दर्द, बेरसी, भय एवं धर्म भीसता को अपनी लेखनी द्वारा प्रदर्शित किया है। उनकी कहानी 'कफन', 'पूस की रात', 'पंच परेश्वर', 'बूढ़ी काकी', 'बड़े भाई साहब', 'नमक का दरोगा', 'दो बैलों की कथा', 'गुली-डंडा', 'इंदगां', 'आंसुओं की होड़ी', 'सवासेर गेहूं' आदि में तत्कालीन ग्रामीण परिवेश का प्रतिविवर ज़िलक को दर्शाता है। यह कहानियां उस समय के ग्रामीणों की दुरुहता को बयान करती हैं। उनकी कहानी 'अलायोडा', 'नागपुरा', 'पंडित मोरेश्वर' की डाकार, 'ठाकुर का खुन', 'गुहदाह', 'मूर्त', 'बाबा की पोरी', 'बाबा जी' की बाबा नाम समाज में फैले कर्मकांड, धर्म भीसता, अंधविश्वास एवं जगतिगत भेद पर वैधव करते हैं।

उनकी कहानी 'जिहाद', 'मंदिर-परिस्कार', 'अनंत रतन', 'शतराज के खिलाफी' में उनके मन में बरसी, भय एवं धर्म भीसता को अपनी लेखनी द्वारा प्रदर्शित किया है। उनके उपनिवेशक प्रेमचंद की दृष्टि में देशप्रभाव और स्वराज की अवधारणा से इलाकता है।

प्रेमचंद की अधिकांश कहानियों में ग्रामीण परिवेश की ज़िलक स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। उन्होंने आम आदमी के दर्द, बेरसी, भय एवं धर्म भीसता को अपनी लेखनी द्वारा प्रदर्शित किया है। उनकी कहानी 'कफन', 'पूस की रात', 'पंच परेश्वर', 'बूढ़ी काकी', 'बड़े भाई साहब', 'नमक का दरोगा', 'दो बैलों की कथा', 'गुली-डंडा', '



# रंगोली



भारत देश में लोक गीत, संगीत, नृत्य, परंपराएं और कलाएं आदि के बिना अधूरा होता था। भारत में पारंपरिक कठपुतली नाटकों की कथावस्तु में पौराणिक साहित्य, लोक कथाएं और किंवदितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। कठपुतली राजस्थान की प्राचीन लोक कला है। राजस्थान की यह लोक कला भारत और पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। कठपुतली लोक कला भट आदिवासी जाति के लोगों का पारंपरिक व्यवसाय भी है। कठपुतलियों को तार अथवा धागे के माध्यम से अंगुलियों द्वारा नचाया जाता है।

कठपुतली विश्व के प्राचीनतम रंगमंच पर खेले जाने वाले मनोजक कार्यक्रमों में से एक है। कठपुतलियों को विभिन्न प्रकार के पुरुष, पशु, देव, असुर पात्रों के रूप में बनाया जाता है। इनको नाम कठपुतली इस कारण पड़ा, क्योंकि इनको लकड़ी अर्थात् काष्ठ से बनाया जाता था। कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि इस पूर्व चींगी शताब्दी में महाकवि पाणिनी की 'अष्टाध्याहृ' प्रथम में हमें 'पुतला नाटक' का उल्लेख मिलता है। इसके जन्म को लेकर कुछ पौराणिक मत इस प्रकार मिलते हैं कि भावान शिवजी ने काठ की मुर्ति में प्रवेश कर, माता पार्वती का मन बहलाकर इस कला को प्रारंभ किया था। इसी प्रकार उज्जैन नगरी के राजा विक्रमादित्य के सिंहासन में जड़ित 32 पुतलियों का उल्लेख 'सिंहासन बत्तीसी' नामक कथा में ही मिलता है।

भारत सहित पश्चिमाई देशों में कठपुतली नाट्य सदियों से लोकानुरंजन और शिक्षण के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते आ रहे हैं। भारत से लेकर पूर्वी एशिया के देशों जैसे इंडोनेशिया, स्थानांशु, थाईलैंड, श्रीलंका,

## कठपुतली लोक कला का जीवंत रूप



जावा, सुमात्रा इत्यादि में विस्तार हुआ। आधुनिक युग में यह कला रूस, रोमानिया, चेकोस्लोवाकिया, जर्मनी, जापान, अमेरिका, चीन आदि देशों में विस्तारित हो चुकी है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन न रहकर शिक्षा कार्यक्रमों, विज्ञापनों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है।

हमारी विविधरंगी लोक संस्कृति, परंपरा, कलाओं की परंपरा में कठपुतली नृत्य का विशेष महत्व है। आज साड़बर दुनिया में वैश्वीकरण की आपाधी में हमारी अपनी बाची पीढ़ी को हमारी इस स्वर्णिम विरासत से परिचित करना बेहद आवश्यक हो गया है। हमारी

लोकजीवन, संस्कृति, कला, परंपरा आदि का प्रत्येक पक्ष इतना प्रबल व सशक्त है कि संवेदनहीन व्यक्ति भी संवेदन के तीव्र उद्गेत्र को उत्पन्न कर सकता है। भारतीय कला और कलाकृतियां व्यक्ति की आत्मा को झंझोड़ने की क्षमता रखती हैं।

उदयपुर शहर में विश्व विख्यात 'भारतीय लोक कला मण्डल' में इसकी स्थापना के साथ ही कठपुतली कला को विश्वव्यापी बनाने के स्तुत्य प्रयास किए हैं। कई कलाकारों को कठपुतली प्रदर्शन का प्रशिक्षण विश्व स्तर पर यहां प्राप्त हुआ है। भारतीय संस्कृति, चिंतनपरंपरा, धर्म, अध्यात्म और दर्शन के मिश्रण ने कठपुतली कला को संप्रेक्षणीय बनाया है। यह सच है कि भारतीय कला परंपराओं का संरक्षण उनके लगातार प्रदर्शन से ही संभव हो सकता है। देश में साक्षरता अभियान, बाल-विवाह, स्वच्छ भारत मिशन अभियान, मतदान की भाषा में जागरूक करने के लिए कठपुतलियां माहात्मा के जीवंत कर देती हैं।

कला का क्षेत्र आज बहुत व्यापक हो गया है। इसमें तिरंतर नई टूटि से कलाओं के नवीन स्वरूप का सूजन हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों से राज्य में परंपरागत रीत-सिवायी परंपराओं का अधिकारित कठपुतली के खेलों में काफी परिवर्तन हो गया है। अब यह खेल गांवों, मोहल्लों, सड़कों, गलियों में होकर थियेटों, बड़े-बड़े मुकाबालों रींगमंचों व सिटारा होटों में होने लगा है। इसके बावजूद राजकीय संरक्षण व पोषण के अभाव में इस लोक-कला के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। अब गांव-मोहल्लों में कहीं कठपुतली का खेल नजर नहीं आता। कठपुतलियां केवल सजावटी वस्तु के रूप में ही खरीदी जा रही हैं। कठपुतली कला के संरक्षण-संवर्धन के लिए व्यापक प्रयत्नों की दर्कार है। नए आयाम, नए प्रतिमान, नए मायने और नई तकनीयों की खोजकर कठपुतली कला और कलाकारों को राज्यात्मा मिलना ही चाहिए।

## प्रभु श्रीराम के बाल्यकाल की कहानियां सुनाता अयोध्या का दशरथ महल

धार्मिक दृष्टिकोण से विश्व में भारत राम के देश के नाम से जाना जाता है, क्योंकि यहां राम की जन्मस्थली अयोध्या है। यह दुनियाभर के हिंदू धर्मवर्लंबियों के आस्था का केंद्र है। यहां और भी स्थल हैं, जो भगवान राम से जुड़े हैं और उनके बचपन की कहानियां सुनाते हैं। इसी में एक दशरथ महल है, जहां के बारे में कहा जाता है कि बाल्यावस्था में राम यहीं पैजनिया पहनकर दुमकते हुए चलते थे। रामायण में भी इसका वर्णन है: "दुमक चलत रामचंद्र पहने पैजनिया।"

### जब चांद के लिए हठ करने लगे प्रभु श्रीराम

वह दशरथ महल ही है, जहां माता कौशल्या की गोद में पैजनिया पहने दुमक कर चलते सकल ब्रह्मांड के नायक भगवान राम अपने पिता राजा दशरथ से चांद पाने का हठ कर लेते हैं और राजा दशरथ थाली में जल भरकर रामलला को चंद्रमा के प्रतिबिंब को पकड़ लेने को प्रेरित करते हैं। बाल्य अवस्था के राम चंद्रमा को पकड़ने के लिए थाली भरे पानी में छपकोइया खेलते रहते हैं। भगवान राम के बाल्य अवस्था का यह दृश्य हर किसी को मोहित करता है। यह वही दशरथ महल है, जो 500 साल के पराभव कल के दौरान भी मौजूद रामजन्म भूमि क्षेत्र पर श्रीराम के मंदिर होने के साथों की गवाही देता रहा।



### 2021 में हुआ दशरथ महल का जीर्णोद्धार

अयोध्या में चूंकि सभी मंदिर और मसलै जीर्ण-क्षीर्ण थे, दशरथ महल भी खराताहल था। जब भव्य राम भंदर के निर्माण की बारी आई तारीफ 2021 में दशरथ महल का भी पुनरोद्धार हुआ। हालांकि वर्ष 2013 में अखिलेश सरकार ने भी इसके जीर्णोद्धार के लिए 2.04 करोड़ का बजट जारी किया था, लेकिन किंहीं कारणों से दशरथ महल के जीर्णोद्धार का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका और वह बजट धरा का धरा गया। शायद उस वक्त की सरकार व उच्च प्रशासन में 'राम काज कीं बिना मोहे कहा विश्वाम' जैसी इच्छा शक्ति का अभाव था।

### योगी सदकार ने यहां उपलब्ध कराई तमाम सुविधाएं

योगी सदकार ने दशरथ महल के जीर्णोद्धार व सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की प्रक्रिया को अपनी जामा पकड़ने द्वारा करीब तीन करोड़ रुपये खर्च कर यहां सत्संग भवन, प्रवेश द्वार, रैन बसरा व दशरथी सहायता केंद्र के निर्माण-पुनरोद्धार व सुदृढ़ीकरण कर इसकी ऐतिहासिक खूबसूरती को बहाल कर दिया है। यहां निर्मित 650 स्वाक्षर मीटर में बन सत्संग भवन में लागड़ 300 से 350 सत्संगी एक साथ कीर्तन-भजन कर सकेंगे। दशरथ भवन की तरफ श्रद्धालुओं को भौतिक रूप से आकर्षित करने के लिए जगमगाती लाइटिंग सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। यहां श्रीराम के जीवन को चित्रित करते हुए वाल पैटिंग, गमचरित मानस के दोहे लिखे हैं। दशरथ महल का भव्य प्रवेश द्वार अपने पुराने वैधव को संरक्षित करते हुए यह आधुनिकता की चासनी से भी लैश है। खंभों और दीवारों पर लंबे समयावधि तकटिकाऊ रहने वाले पेट-कोटिंग की प्रगति है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को कई असुविधा न हो इसके लिए विशेष दर्शनार्थी सहायता केंद्र भी स्थापित है, जो यहां की समृद्ध विरासत, ऐतिहासिक महत्व, सांस्कृतिक योगदान व आध्यात्मिक महत्व के बारे में अवगत कराता है।

## व्यवस्थापर चोट और व्यंग्य का ताना बाना: जीलो जिंदगी वर राजा मूँछो सिंह

हल्द्वानी के सुशीला तिवारी मेडिकल कॉलेज के प्रेक्षागृह में रंगमंच की एक ऐसी शाम सजी, जिसने दर्शकों को हंसी और विचार दोनों से भर दिया। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली, शैलनट और आनंद अकादमी हल्द्वानी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक माह की अभियान एवं नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला की अधिकारी में प्रशिक्षित कलाकारों में अधिकांश पहली बार मंच पर उतरे थे, किंतु ऐन-एसडी के रंगकर्मी चंदन विष्ट, चित्रा विष्ट और शैलनट के संस्थापक श्रीश डोभाल के मार्गदर्शन ने उन्हें ऐसा आमत्ववास और परिष्कार दिया कि दर्शक उनकी नवीनता भूल बैठे। अभियान की सह जाता और संवादों की पैनी पकड़ इस बात का प्रमाण थी कि एक माह का यह अभ्यास किसी गहन साधन से कम नहीं रहा। पहल नाटक जी लो जिंदगी, रुस के प्रसिद्ध नाटककार निकोलाई एडमैन की द सुसाइड से प्रेरित था। यह नाटक एक बेरोजगार युवक गुमान सिंह (अथर्व नेहीं) की कथा है, जो सास (यांगिटा भंडारी) और समाज के तानों से जूझते हुए जीवन से हार मान लेता है। विभिन्न संगठनों और संस्थाओं के स्वार्थपूर्ण शोषण से निराश गुमान आत्महत्या जैसा कदम उठाने को बाध्य होता है, किंतु जीवसंरक्षिती गीत (संस्कृत लोहानी) का स्थायोग और आत्मचित्त उठाने एवं उद्देश्यों की ओर ले जाता है। गुमान सिंह के रूप में अथर्व नेहीं ने अपनी गहन संवेदन से दर्शकों को बांधे रखा, वहीं संस्कृति लोहानी और योगिता भंडारी ने अपने पात्रों को प्राणवान बना दिया। गौरव जीर्णों ने ठेकेदार के रूप में नाटक में तीखापन और धार जोड़ी। यह नाटक न केवल बेरोजगारी की पीड़ा, बल्कि व्यवस्था की खाखली परतों और स्वार्थी संगठनों पर भी धो







हम खेल मत्री मनसुख मादविया के समर्थन के लिए बहुद आभारी हैं। उनका प्रोत्साहन हमारे लिए भारत पर मौजूदक का और अधिक सुलभ और लोकप्रिय बनाने के हमारे प्रेरणा है।  
—युवराज सिंह

## हाईलाइट

दूसरे टेस्ट में मिल सकती है बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच

नई दिल्ली : दिल्ली में 10 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे और अंतिम भारत-वेस्टइंडीज टेस्ट मैच की पिच पर कुछ विस्तों में सपात सतह होगी, जबकि इसले टेस्ट मैच की अहमतावाल की पिच पर धारा की समतल प्रति भी। इसकी पिच कानी मिट्टी की होगी और बल्लेबाजों के अनुकूल होगी, तथा सतह धीरे-धीरे सुखने के कारण स्पिन की भूमिका भी महत्वान्वय होगी। 2019 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप शुरू होने के बाद से भारत की सबसे हाई पिंवों में से एक पर हाले टेस्ट में पहले बल्लेबाजों करने के बाद वेस्टइंडीज तीन दिन के अंदर ही हार गया। लाल मिठ्ठी वाली पिच पर चार मिलोमीटर तक धारा बिछी होने और अच्छी ऊँचाई के साथ, जसप्रीत कुमार और मोहम्मद सिराज ने पहले दिन शानदार प्रदर्शन किया और वेस्टइंडीज 44-1 ओवर में ऑल आउट हो गया।

**गंभीर की टीम में हार की कोई जगह नहीं: वरुण मुंडई :** स्पिन गेंदबाज वरुण घरकवाणी ने कहा है कि भारत के मुख्य कोह गौतम गंगोत्री ने टीम में ऐसी नायिकों की भूमिका भी है जिसमें हार और औसत दर्जे के प्रदर्शन के लिए कोई जगह नहीं बचती। कोलकाता नाइट राइडर्स टीम में भी गंभीर के साथ काम कर युके घरकवाणी ने मंगलवार को सीएसटी क्रिकेट रेटिंग प्रकार से इतर प्रकारों से कहा है उनके साथ आईपीएल में काम कर चुका हूँ और हम 2024 में जीतें। मैं लियू कुछ नया नहीं हूँ क्योंकि मैं उनके साथ काम कर चुका हूँ। मैं उनके बारे में यह कह सकता हूँ कि वह टीम को इस तरीके से तोरा करते हैं जिसमें हारने का विकल्प नहीं होता।

## ओसाका ने लेला फर्नांडिज को हराया

वुहान (चीन) : नाओमी ओसाका ने पहला सेट जीतने के बाद जोरदार वापसी करते हुए मंगलवार को यहां लेला फर्नांडिज को हाकर डिल्टूट्रीए 1000 लेवल वुहान ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दोर में जहां बनाई। वर्ष 2017 के बाद यहां पहली बार खेल रही ओसाका ने सेटर कोर्ट पर दिन के पहले वीमें फर्नांडिज के खिलाफ 4-6, 7-5, 6-3 से जीत दर्ज की। ऐसा रातुनाज बन आन ली जारी रखें। पिछले महीने टी20 अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप से सन्यास लेने वाले स्टार्क वेस्टइंडीज के टेस्ट दौरे से लौटने के बाद अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू हो गया था। एशेंज से पहले उनके काम के बोड्डा को सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जा रहा है। उन्होंने पिछला एकदिवसीय मैच नवंबर 2024 में एडीलेड में पाकिस्तान के खिलाफ खेला था।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-2 से मिली हार के बाद ऑस्ट्रेलियाई एकदिवसीय टीम में स्टार्क की अनुपस्थिति में एशेंज की कप्तानी जारी रखें। एशेंज की तैयारी के लिए कमर की हड्डी में खिचाव से उत्तर रहे हैं। चयनकर्ताओं ने आगे साल होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी एक है। इसके अलावा पदार्पण का शुरुआती दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच के लिए मार्श की रेनशॉर्ट और मिच ओवेन को खेलना चाही था। उन्होंने अगस्त में राष्ट्रमंडल भारी-तोलान वैष्णवीनशील में उठाए कुल 35 किंवा (152 किंवा और 183 किंवा) वजन से 12 किंवा वजन कम उठाया। उन्होंने अहमदाबाद में जीत की बीतीलत अगले साल होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के लिए व्यालीफाई किया था।

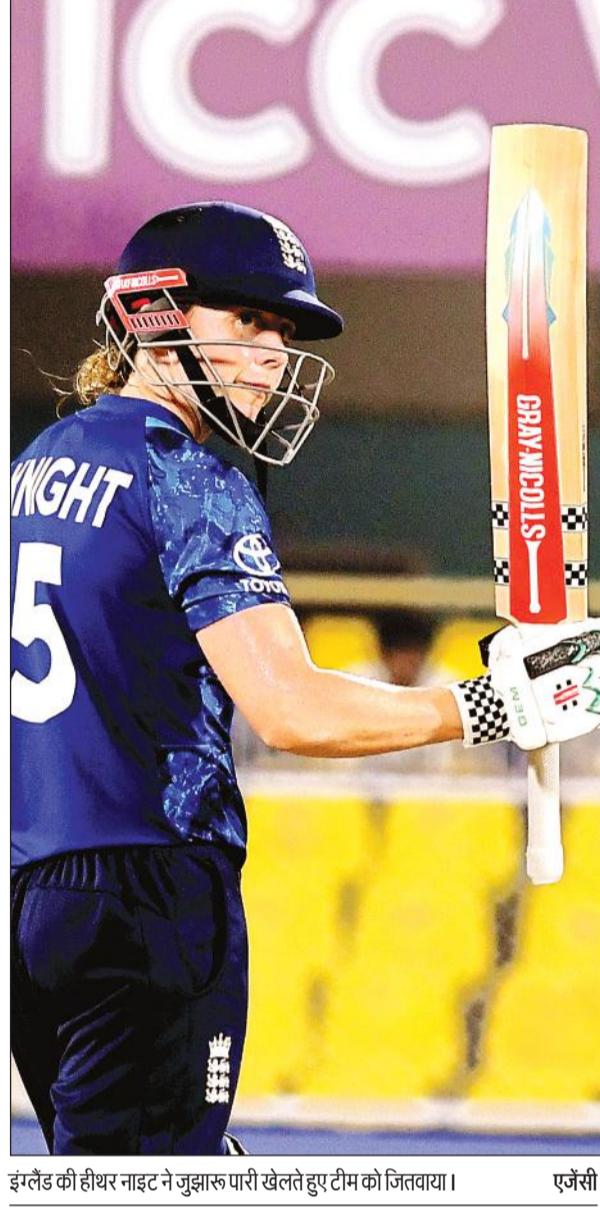
## अजय वल्लूरी 16वें स्थान पर रहे

फोर्ड (नॉर्थ) : राष्ट्रमंडल वैष्णवीन भारी-तोलक अजय वल्लूरी यहां विश्व वैष्णवीनशील में पूर्ष 7 किंवा वर्ष 16 में खेलना पर रहे। जिससे मीराबाई चानू के 48 किंवा वर्ष में रजत पदक के बाद वारीय घरकवाणी के खिलाफ 1-6, 1-4 से पिछड़ रही थीं, तो उन्हें चुकार कर आने के कारण मुकाबले के बीच से हटना पड़ा। सोफिया केनिन ने अनासतासिया जाखारोवा को 3-6, 7-6, 6-3 से हराया।

## हाईलाइट

# इंग्लैंड ने बांग्लादेश को चार विकेट से हराया

## महिला विश्व कप क्रिकेट : हीथर नाइट ने 79 दिनों की खेली शानदार पारी, एकलेस्टोन ने चटकाए तीन विकेट



इंग्लैंड की हीथर नाइट ने जुझारु पारी खेलते हुए टीम को जितवाया। एंजेसी

## गुवाहाटी, एंजेसी

सोफी एकलेस्टोन की अगुवाई में स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन के बाद पूर्व कप्तान हीथर नाइट ने अपने अपार अनुभव का इस्तेमाल करके शानदार अर्धशतक लगाते हुए इंग्लैंड को बांग्लादेश के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के मैच में मंगलवार को चार विकेट से जीत दिलाई।

पहले बल्लेबाजी करने वाली बांग्लादेशी टीम 178 रन पर आउट हो गई। इसके बाद लेंग स्पिनर फाइमा खातून (दस ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट) और तेज गेंदबाज मारुफा अख्तर (पांच ओवर में 28 रन देकर दो विकेट) ने किला लड़ाने की कोशिश की और एक समय 23वें ओवर में इंग्लैंड के पांच विकेट 78 रन पर गिर गए थे। नाइट ने हालांकि बांग्लादेश के उलटफेर के मैसूरों पर पानी फेरते हुए जबदस्त पारी खेली। मार्च में कप्तानी छोड़ने वाली नाइट 111 गेंद में 79 रन बनाकर नावार रही। वहीं चालीं डी ने 56 गेंद में 27 रन की नावार पारी खेली। डीन और नाइट ने नायिक बांग्लादेश के उलटफेर के मैसूरों पर पानी फेरते हुए जबदस्त पारी खेली। नाइट ने नायिक बांग्लादेश के उलटफेर के मैसूरों पर पानी फेरते हुए जबदस्त पारी आउट किया। नाइट को ने तात्परता विकेट 79 रन जाइकर 23 गेंद वाली रहते टीम को जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड के लिये शतार्थी ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर तीन विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये शतार्थी ने 108 गेंद में 60 और रायबिया खान ने 27 गेंद में 43 रन बनाये। इंग्लैंड की शुरुआत खारब रही और एमी जोस (एक)



बांग्लादेश को सरते में आउट करने के बाद जशन मार्ती इंग्लैंड की खिलाड़ी। एंजेसी

पहले ही ओवर में मारुफा अख्तर की गेंद पर पगबाधा आउट हो गई। बांग्लादेश को अगले ओवर में दूसरा विकेट भी मिल जाता लेकिन स्पिनर नायिदा की गेंद पर मारुफा का चैंप टपकाया। ब्यूमोट हालांकि इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सकी और मारुफा ने उन्हें 13 के स्कोर पर पगबाधा आउट किया। नाइट को ने तात्परता विकेट 79 रन जाइकर 23 गेंद वाली रहते टीम को जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड के लिये एकलेस्टोन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर तीन विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये शतार्थी ने 108 गेंद में 60 और रायबिया खान ने 27 गेंद में 43 रन बनाये। इंग्लैंड की शुरुआत खारब रही और एमी जोस (एक)

दम लिया। इससे पहले इंग्लैंड के गेंदबाजों में आफ स्पिनर चार्लोट डीन ने दस ओवर में 28 रन देकर दो और एप्लिस कैप्पसी ने आठ ओवर में 31 रन देकर दो विकेट चटकाये। टूर्नामेंट के पहले मैच में पाकिस्तान को हराने वाली बांग्लादेशी टीम की शुरुआत अच्छी ही और लॉरन बेल के ओवर में शरमीन अख्तर को ने 14 रन बनाये।

बायें हाथ की स्पिनर लिंसे स्मिथ ने हालांकि शरमीन और रूबिया हैंदर को खुलकर खेलने नहीं दिया। स्मिथ ने एक छोर से अच्छी गेंदबाजी जारी रखी। बेल ने तीसरे ओवर में हैंदर को आउट करके एकलेस्टोन ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 24 रन देकर तीन विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये शतार्थी ने 108 गेंद में 60 और रायबिया खान ने 27 गेंद में 43 रन बनाये। इंग्लैंड की शुरुआत खारब रही और एमी जोस (एक)

दम लिया। इससे पहले इंग्लैंड के गेंदबाजों में आफ स्पिनर चार्लोट डीन ने दस ओवर में 28 रन देकर दो विकेट चटकाये।

## बांग्लादेश

## 178/10 (49.4 ओवर)

- सुविया हैंदर का डिंकी बो बेल 04
- शरमीन का जॉस बो एप्लिसेटन 30
- निगर सुलाना का डीन बो स्मिथ 00
- मोस्तारी पगबाधा बो कैपसी 60
- शोरना अख्तर का जॉस बो डीन 10
- रितु मोनी का स्मिथ बो डीन 05
- फाइमा खातून बो एप्लिसेटन 07
- नायिदा का डीन बो एप्लिसेटन 01
- रायबिया खान नावाद 43
- मारुफा का बेल बो कैपसी 00
- शजोदा का स्किरेटर ब्रंट बो स्मिथ 01

गेंदबाजी : बेल 7-1-28-1, स्मिथ 9.4-1-33-2, नेट स्किरेटर ब्रंट 5-0-32-0, एप्लिसेटन 10-3-24-3, डीन 10-2-28-2, कैपसी 8-1-31-2

मंधाना एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुर्बाई : मौजूदा महिला एकदिवसीय विश्व कप के दो मैच में कमज़ोर प्रदर्शन के बावजूद भारत की स्टार क्रिकेटर

स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार है, लेकिन उनकी बहुत कम हो गई है। स्मृति के 79.1 रेटिंग अकें हैं और वह इंग्लैंड की नेट स्किरेटर ब्रंट से 60 अंक आगे है। विश्व कप से टीके पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मंधाना एकदिवसीय मैच में श्रीलंका के खिलाफ तीन स्टार स्थान पर बना सकीं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूरी 713 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है।

दक्षिण अफ्रीका की ताजमिन ब्रिटेस (706) और ऑस्ट्रेलिया की एस